



धनोत्सव

MPHIN/2009/34626
डाक पंजीयन क्रमांक
बालाघाट / दैनिक यशोव्रति / 2 /
2016-17

दैनिक यशोव्रति की और
खबरों एवं ई पेपर के
लिये लॉग इन करें
https://
dainikyashonhati.
com
एप डाउनलोड करें

वर्ष 8+16 अंक 46 प्रधान संपादक- राजेश अग्रवाल yasonati@gmail.com सिखनी सोमवार 16 अक्टूबर 2023 संपादक-मनोज मर्दन जिवेदी मूल्य 1.50 पृष्ठ-4

पृष्ठ-2 सिखनी समाचार पृष्ठ-3 बालाघाट समाचार पृष्ठ-4 मंडला समाचार

जिले की चारों विधानसभा के लिये कांग्रेस ने घोषित किये प्रत्याशी

सिखनी आन्द-पंजाबी, केवलारी से ठाकुर रजनीश सिंह, बरसाट से अर्जुन सिंह काकोड़िया एवं लखनौदैन से योगेंद्र बाना कांग्रेस के प्रत्याशी



आँखि रूप देने के लिये दो दिनों किग गया है युवक कांग्रेस के अध्यक्ष काँग्रेस के ठाकुर रजनीश सिंह इस तर्क इस पर मंथन किया 11 पार्टी सुनते हैं कि दिल्ली बैठक में कांग्रेस ने करीब-करीब सभी सीटों पर उ मौखिकी के नाम तय कर लिए हैं। कांग्रेस द्वारा जारी इस सूची में पूर्व सचिव कमलनाथ छिंटवाडा से चुनाव लड़ेंगे। सिखनी जिले की चारों विधानसभा सीटों पर प्रत्याशी घोषित कर दिये गये हैं केवलारी विधानसभा से पूर्व विधायक ठाकुर रजनीश को प्रत्याशी बनाया गया है जो सिखनी विधानसभा में कांग्रेस द्वारा नया प्रयोग

आँ लाईन सट्टा और सट्टे में हारी हुई राशि पर व्याज का मकड़जाल तथा जिले में बढ़ रहे अपराध सिखनी शहर- जिले में क्रिकेट की सट्टा का मकड़जाल तेजी से फैल रहा है और इसके चंगुल में फंसकर जहाँ युवा पीढ़ी दूरी तरह बर्बाद हो रही है वहीं अनेक परिवार आर्थिक रूप से बुरी तरह टूट गये हैं अनेक नामी अमीर और व्यापारी सट्टा चुँआ के जाल में फंस कर सड़क पर आ गये हैं। क्रिकेट का सट्टा तेजी से प्रचलन में है युवा इनके आकर्षण में पड़कर इन सट्टा कारोबारियों के व्यापार में उपाधी का काम भी बड़े पैमाने पर किया जाता है और जानसरी तो यह है कि आँ लाईन सट्टे के कारोबारी करोड़ों रुपये का व्यापार करीब नगरी में ही करते हैं। उन्से सामान्य अर्द्धम उदाहने की जानकार बताते हैं कि क्रिकेट मैचों पर सट्टे के दबे उपाधी में लगते हैं परतु 12 घंटे में उपाधी नहीं मिलते पर उस राशि पर ऊँची दर व्याज का भीतर प्रारंभ हो जाता है जो इतनी तेजी से चलता है कि बड़े व्यापारी और खानदानी अमीर भी इस व्याज की राशि देने में कान्य जाते हैं और इस दर की वसुली इतनी गुंजायमान हो जाती है कि या तो संवैधित स्वरु कुछ बैंककर हरि अद करता है या फिर आत्मा सत्या करने के सिलवा उसके पास कोई पैसा नहीं होता। इस व्यापार को करोबारी चुड़े चुड़े हैं उन्हें राजनीतिक चोले भी ओके रखा है और उनकी पहुँच भी लगी है। उन्से सामान्य अर्द्धम उदाहने की हिात भी नहीं करता।

धूमधाम के साथ मनाई गई श्री अग्रसेन महाराज की जयंती



समाज के वरिष्ठजनों द्वारा महाराज श्री के जीवन पर अपने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि महाराज अग्रसेन धर्मवादी के प्रतिमुक्ति थे जिन्होंने मानव कल्याण के लिये यह यजन द्वारा समाज की संरचना कर वसुधैव कुटुम्बक भावना का मार्ग प्रसरित किया जो युगो युगो तक अविश्वसनीय है हमें उनके पर्वदिवस का अनुसरण करना चाहिए कार्यक्रम के अंत में समाज के वरिष्ठजनों श्री बालकृत जी अग्रवाल, श्रीमति राधादेवी अग्रवाल, श्रीमति मीरला अग्रवाल, श्रीमति कृष्णा अग्रवाल, श्री रमेश गोराल का शाल श्रीरुच से स मान किया गया सभी समाजिक बंधुओ आसीय आभार व्यक्त किया गया सभी का सराहनीय सहयोग रहा।

समाज के वरिष्ठजनों द्वारा महाराज श्री के जीवन पर अपने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि महाराज अग्रसेन धर्मवादी के प्रतिमुक्ति थे जिन्होंने मानव कल्याण के लिये यह यजन द्वारा समाज की संरचना कर वसुधैव कुटुम्बक भावना का मार्ग प्रसरित किया जो युगो युगो तक अविश्वसनीय है हमें उनके पर्वदिवस का अनुसरण करना चाहिए कार्यक्रम के अंत में समाज के वरिष्ठजनों श्री बालकृत जी अग्रवाल, श्रीमति राधादेवी अग्रवाल, श्रीमति मीरला अग्रवाल, श्रीमति कृष्णा अग्रवाल, श्री रमेश गोराल का शाल श्रीरुच से स मान किया गया सभी समाजिक बंधुओ आसीय आभार व्यक्त किया गया सभी का सराहनीय सहयोग रहा।

आज भाजपा प्रत्याशी दिनेश राय मुनमुन जूनूपानी हनुमान मंदिर से आरंभ करेंगे जनसंपर्क

सिखनी शहर- आज सोमवार, 16 अक्टूबर को भारतीय जनता पार्टी के सिखनी विधानसभा प्रत्याशी दिनेश राय मुनमुन विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत आने वाले जूनूपानी हनुमान मंदिर प्रत्युन-अनन कर जनसंपर्क अभियान आरंभ करेंगे।



निर्धारित कार्यक्रम अनुसार भाजपा प्रत्याशी दिनेश राय मुनमुन भोजपुरी मंदिर से आरंभ करेंगे जनसंपर्क अभियान आरंभ करते हुए प्रातः 10:00 बजे ग्राम पंचायत पहुंचेंगे। इसके पश्चात श्री दिनेश राय मुनमुन 10:20 बजे

कोतवाली पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ गांजा लिए महिला को पकड़

सिखनी शहर- सिखनी कोतवाली पुलिस ने मादक पदार्थ के साथ एक महिला को पकड़ है और उस पर मामला पंजीबद्ध किया गया है। प्रेस को दी जानकारी में बताया गया है कि पुलिस अधीक्षक रमेश सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गुरुप्रसाद शर्मा अनुभवीय अधिकारी पुलिस प्रशासनिक अंतर्गत द्वारा दिये गये निरीक्षण अनुसार अवैध मादक पदार्थ एवं शराब पर अंकुश लगाने हेतु कार्यवाही की जा रही है जिसके महत्त्व तब 13 अक्टूबर को मुख्यालय से सूचना प्राप्त हुई कि कुचुचुकी रोड पर एक महिला अवैध रूप से मादक पदार्थ गांजा अपने पास रख कर बेच रही है और अवैध लाभ कमा रही है। सूचना के आधार पर थाना प्रभारी सतीश तिवारी के मार्गदर्शन में थाना कोतवाली में टीम गठित कर छापा मार कार्यवाही की गई। जिसमें अवैध मादक पदार्थ गांजा स्थिति महिला को पकड़ गया। पुलिस पर थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 920 / 23 धारा 8/20 एनपीआरए ए ट का मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

मतदान से हो लोकतंत्र उजियारा

बालाघाट शहर- जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. निशि कुमार मिश्रा एवं जिला स्वीप नोडल अधिकारी एच एच जिला स्वीप नोडल अधिकारी जी. श्री डी.एस. राणदा के मार्गदर्शन में, स्वीप गतिविधियों का आयोजन करने में किया जा रहा है। इसी तंत्र में मुख्यालय से जिला स्वीप नोडल अधिकारी के गरी में जलद शो के माध्यम से रंग बिरंगी सलून के बीच वॉलचेंजर पर दिव्यांग प्रभावकर्ता धाना बंदोल को 06 पटी अंग्रेजी व देशी शराब कुल 55 लीटर सिखनी कीमत 24800 रुपये बर्बाद जा रही है अवैध शराब के साथ संघर्ष करने लगे हैं। आरोपी ने सुडहरा पर निरिक्षण शराब निषेध सिखनी वदरा शराब लाकर देना

बडोल एवं केवलारी पुलिस ने अवैध शराब के ठिकानों पर की ताबड़तोड़ कार्यवाही सिखनी शहर- बडोल पुलिस ने अवैध शराब के ठिकानों पर की ताबड़तोड़ कार्यवाही की जा रही है। दोनो आरोपी गणो के ड.नि.रुचने हनुमर ट्यूने,जसवंत सिंह विरूद्ध धारा 34 (2) आन्कारो ए ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। आरोपी रहलु राजमुन को न्यायालय पेश किया गया न्यायालय वदरा जेल वाट बनये जाने पर जिला जेल सिखनी में दखिल करवाया गया है। अन्य आरोपी की तलाश की जा रही है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी बडोल

घटना स्थल ग्राम दुधिया से करीब 15-15 लीटर के डेन में हाथ मट्टी कच्ची महुआ शराब का अवैध परिवहन करते पाया गया सिखनी पाना पट्टे पहुँचें पर आरोपी नाम बबलू पित्त अर्जुन राजनट अर 27 साल निवासी श्री गिरी खडन प्रतारी का रहने वाला निवासी सिखनी उक्त शराब के संकलने में बंधा लखसेन चहा गया जो गरी लेने तथा व्याज जो इतनी अधिक मात्रा में शराब का परिवहन करते पाया गया जिसमें उक्त हाथ मट्टी कच्ची महुआ शराब 60 लीटर किमती करीब 6000 रुपये की व मोटरसाईकिल हरीरो कंपनी की नई मो.सा कीमती करीब 79000 ए एन गल्लोन की रसमी मुताबक जती पत्रक के समक्ष मुताबक के जत किया गया। आरोपी बबलू पित्त अर्जुन राजनट अर 27 साल निवासी गिरी खडन प्रतारी धाना केवलारी जिला सिखनी का कुल धारा 34 (2) आन्कारो ए ट का पण्डित करना पर्ये जाने पर सिखित ट्रिनांक 14/10/2023 को समग्र 18.10 बजे गिर तार कर माननीय न्यायलय में. आर. पर पेश किया गया है। इस कार्य में निरीक्षक किरोरो वाकर, सजिन लुशण राहलदा, आर. 633 सुभिर ठाकुर, आर. 280 दीपक साहू, चालक आर. 725 दीपक अमलू धाना केवलारी का योगदान सराहनीय रहा।

देश, प्रदेश का सर्वांगीण विकास तथा बढ़ रहा गौरव भाजपा की बेहतर सोच का परिणाम - मुनमुन

सामाजिक जनो से मिलकर अग्रसेन जयंती की दी शुभकामनाएं -ग्राम-ग्राम प्रवेश पर दिनेश राय मुनमुन का कलश लेकर किया गया आत्मीय स्वागत

के दौरान कही गयी है। आज भाजपा प्रत्याशी श्री राय ने प्रातः 09:00

सकता है। आज हर गाँव गाँव में गरीबों को पकड़े और सुखव्यस्त मनान उल्लवह हूँ है गरीब परिवार को आय बढ़ाने की चिन्ता और उन्हें बेहतर जीवन देने के लिये भाजपा पूर्ण संकल्प के साथ कार्य कर रही है। भाजब ने विकास की मु यथारा से जोड़ने के लिये हर वर्ग के लिये बड़ी परिवर्तन से काम किया है और छोटे छोटे व्यापारी जो जाना हट में दुकाने लगाते हैं उन्हें बैंकव्यवस्था की वसुली से मुक्त करने के लिये निवास बनाये हैं। हर व्यक्ति देख और प्रदेश के विकास में अपनी भूमिका सुनिश्चित करें और देश तथा प्रदेश को सुशुभल बनये ऐसी भाजपा के साथ भाजपा समाज के बीच कंधा करती है। सरकार के नीच में पूर्ण पारदर्शिता का भाजपा की सरकार ने जो उदाहरण दिया है वह कल्पना से बाहर की बात थी। श्री राय राय ने कहा कि आज सरकार की

जबरन नोलेंज
कुछ तो बदलते काका हा हा हा ...
सिखनी शहर- गाँव-गाँव में प्रथममंजी आवास योजना के माध्यम से गरीबों को पकड़े और सुखव्यस्त मनान उल्लवह हूँ है गरीब परिवार को आय बढ़ाने की चिन्ता और उन्हें बेहतर जीवन देने के लिये भाजपा पूर्ण संकल्प है। उदाहरण की बात भाजपा प्रत्याशी दिनेश राय मुनमुन द्वारा जनसंपर्क

ग्राम विधिराज (जुनिना) पहुँचें तदुपरांत श्री राय सिहारा- धांपरिया, बलापुर, पाटीबाडा, खापा, महलोन- जोगीबाडा, बनराबाडा, कलवारकी, धांपरी, लुगसा, पौणडी, बीसावाडी, आवासीय योजना के माध्यम से गरीबों को पकड़े और सुखव्यस्त मनान उल्लवह हूँ है गरीब परिवार को आय बढ़ाने की चिन्ता और उन्हें बेहतर जीवन देने के लिये भाजपा पूर्ण संकल्प है। उदाहरण की बात भाजपा प्रत्याशी दिनेश राय मुनमुन द्वारा जनसंपर्क

कल्याणकारी योजनाओं की राशि बिना किसी कटौती और दलाली के हितवाहियों के खतौ में पहुँच रही है। आज जो प्रदेश का सर्वांगीण विकास हो रहा है तथा देश का गौरव बढ़ रहा है वह भाजपा की उसी बेहतर सोच का परिणाम है। जनसंपर्क अभियान के दौरान दिनेश राय मुनमुन ने गाँव-गाँव के देवालियों में दर्शन, पूजन किया। तथा ग्राम जोताबाडा में बडोल भाजपा मंडल अध्यक्ष सुमित राय के निवास पहुंचें तथा उनकी माता जी से मुलाकात कर आशीर्वाद प्राप्त किया। जनसंपर्क अभियान अंतर्गत ग्राम-ग्राम प्रवेश करने पर श्री राय का कलश लेकर अग्रसेन पर भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों, देवता कल्याण कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीण बंधुओं की उपस्थिति रही।

भारत के स्वराज्य' का उद्घोष था श्रीशिवराज्याभिषेक छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक एवं हिन्दू साम्राज्य की स्थापना का 350वाँ वर्ष

'हिन्दवी स्वराज्य' की स्थापना का 350वाँ वर्ष प्रारंभ हो रहा है। विक्रम संवत् 1731, ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष त्रयोदशी (6 जून, 1674) को स्वराज्य के प्रणेता एवं महान हिन्दू राजा श्रीशिव छत्रपति के राज्याभिषेक और हिन्दू परंपराओं की स्थापना से भारतीय इतिहास को नयी दिशा मिली। कहते हैं कि 'यदि छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्म न होता और उन्होंने हिन्दवी स्वराज्य की स्थापना न की होती, तब भारत अंधकार की दिशा में बहुत आगे चला जाता।'

महान विजयनगर साम्राज्य के पतन के बाद भारतीय समाज का आध्यात्मिक निराले तल पर चला गया। अपने देश को फिर कभी हमारा अपना शासन होगा, जो भारतीय मूल्यों से संज्ञित हो, भारतीय लोगों में यह कल्पना करना ही छोड़ दिया। तब शिवाजी महाराज ने कुछ वर्ष परकर्मों मित्रों के साथ 'स्वराज्य' की स्थापना का संकल्प लिया और अपने कृतित्व एवं विचारों से जनमानस के भीतर भी आध्यात्मिक जागृता। विजेतों के तब फेरफाले मुगल शासन को उठाने और उखाड़ देना था। का साहस शिवाजी महाराज ने दिखाया। गोविन्द सहायण सरदेसाई अपने पुस्तक 'द हिस्ट्री ऑफ द महाराज-शिवाजी एंड हिन्दू राष्ट्र' के वॉल्यूम-1 के पृष्ठ 97-99 पर लिखते हैं कि 'मुगल शासन में थोड़े अन्धकार व्याप्त था। कोई पुरुषाक्ष नहीं, कोई न्याय नहीं। अधिकारी जो मज्जी करते थे। महिलों को के सामान का उल्लंघन, हिन्दुओं की हत्याएं और धर्महारण, उनके मंदिरों को तोड़ना, गोलियाँ और इसी तरह के घृणित अत्याचार उस सरकार के अधीन हो रहे थे।।

निजाम शाह ने जिजाऊ मों साहेब के खिला, उनके भाइयों और पुत्रों को बुलाए आम हत्या कर दी। बजाजी निरालकर को जबरन इस्फाम करवा दिया गया। अर्जन्तित उद्धारण उद्भूत किए जा सकते हैं। हिन्दू संसाहित जीवन नहीं जो सकते थे। ऐसे दौर में मुगलों के अत्याचारी शासन के विरुद्ध शिवाजी महाराज ने ऐसे साम्राज्य की स्थापना की जो भारत के 'स्व' पर आधारित था। उनके शासन में 'पूजा सुखी और समृद्ध' लोगों में 'अज्ञ-संस्कृति' फिर से पुनर्जीवित हो उठी।

हिन्दवी स्वराज्य 350 वर्ष के बाद भी प्रार्थनिक है। योकि वह जिन आदर्शों पर खल था, वे सार्वभौमिक और कालजीवी हैं। हिन्दवी स्वराज्य की चर्चा इसलिए भी प्रार्थनिक है। योकि संसार के अंदर में आज ऐसी शासन व्यवस्था है, जो भारत को उसके 'स्व' से परिचित करने के लिए कृत-संकल्पित है। हिन्दवी स्वराज्य का स्मरण एवं उसका अध्ययन हमें 'स्व' के और अधिक समीप लेकर जाता। प्रसिद्ध इतिहासकार जेडुनाथ सरदर के अनुसार, 'शिवाजी के राजनीतिक आदर्श ऐसे थे कि हम उन्हें आज भी लाभान विना किसी परिवर्तन के स्वीकार कर सकते हैं। उन्होंने अर्धनैतिक प्रजा को शांति, सार्वभौमिक संप्रतिष्ठान, सभी जातियों के राजनीतिक आदर्श ऐसे थे कि हम उन्हें आज भी लाभान विना किसी परिवर्तन के स्वीकार कर सकते हैं। उन्होंने अर्धनैतिक प्रजा को शांति, सार्वभौमिक संप्रतिष्ठान, सभी जातियों के राजनीतिक आदर्श ऐसे थे कि हम उन्हें आज भी लाभान विना किसी परिवर्तन के स्वीकार कर सकते हैं। उन्होंने अर्धनैतिक प्रजा को शांति, सार्वभौमिक संप्रतिष्ठान, सभी जातियों के राजनीतिक आदर्श ऐसे थे कि हम उन्हें आज भी लाभान विना किसी परिवर्तन के स्वीकार कर सकते हैं।'



करते हैं कि उनकी सरकार 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विकास' के मंत्र को लेकर चल रही है। शिवाजी महाराज ने राज्य को 'स्व' का आधार देते हुए भारत केन्द्रित नीतियों को बढ़ावा दिया, जैसे-फारसी और अरबी को हटाकर स्वभाषा का प्रचलन, विदेशी मुद्रा की जगह स्वराज्य की नयी मुद्रा मुद्रा कानून, किसानों और सरकार के बीच से बहुत समय से प्रचलित अद्वैती व्यवस्था को हटाकर राजस्व संग्रह करने के लिए 'रेतवाडी व्यवस्था' प्रारंभ की, सीमा सुछा के अन्तुसार, 'शिवाजी के राजनीतिक आदर्श ऐसे थे कि हम उन्हें आज भी लाभान विना किसी परिवर्तन के स्वीकार कर सकते हैं। उन्होंने अर्धनैतिक प्रजा को शांति, सार्वभौमिक संप्रतिष्ठान, सभी जातियों के राजनीतिक आदर्श ऐसे थे कि हम उन्हें आज भी लाभान विना किसी परिवर्तन के स्वीकार कर सकते हैं।'

नेन्द मोदी बार-बार यह उद्धृत करते हैं कि उनकी सरकार 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विकास' के मंत्र को लेकर चल रही है। शिवाजी महाराज ने राज्य को 'स्व' का आधार देते हुए भारत केन्द्रित नीतियों को बढ़ावा दिया, जैसे-फारसी और अरबी को हटाकर स्वभाषा का प्रचलन, विदेशी मुद्रा की जगह स्वराज्य की नयी मुद्रा मुद्रा कानून, किसानों और सरकार के बीच से बहुत समय से प्रचलित अद्वैती व्यवस्था को हटाकर राजस्व संग्रह करने के लिए 'रेतवाडी व्यवस्था' प्रारंभ की, सीमा सुछा के अन्तुसार, 'शिवाजी के राजनीतिक आदर्श ऐसे थे कि हम उन्हें आज भी लाभान विना किसी परिवर्तन के स्वीकार कर सकते हैं। उन्होंने अर्धनैतिक प्रजा को शांति, सार्वभौमिक संप्रतिष्ठान, सभी जातियों के राजनीतिक आदर्श ऐसे थे कि हम उन्हें आज भी लाभान विना किसी परिवर्तन के स्वीकार कर सकते हैं।'

करते हैं कि उनकी सरकार 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विकास' के मंत्र को लेकर चल रही है। शिवाजी महाराज ने राज्य को 'स्व' का आधार देते हुए भारत केन्द्रित नीतियों को बढ़ावा दिया, जैसे-फारसी और अरबी को हटाकर स्वभाषा का प्रचलन, विदेशी मुद्रा की जगह स्वराज्य की नयी मुद्रा मुद्रा कानून, किसानों और सरकार के बीच से बहुत समय से प्रचलित अद्वैती व्यवस्था को हटाकर राजस्व संग्रह करने के लिए 'रेतवाडी व्यवस्था' प्रारंभ की, सीमा सुछा के अन्तुसार, 'शिवाजी के राजनीतिक आदर्श ऐसे थे कि हम उन्हें आज भी लाभान विना किसी परिवर्तन के स्वीकार कर सकते हैं। उन्होंने अर्धनैतिक प्रजा को शांति, सार्वभौमिक संप्रतिष्ठान, सभी जातियों के राजनीतिक आदर्श ऐसे थे कि हम उन्हें आज भी लाभान विना किसी परिवर्तन के स्वीकार कर सकते हैं।'

थी कि वह भोस्ले घगने का शासन सभी उनके राजशासन में सहभागी थे। स्वराज्य में छुआछूत के लिए कोई स्थान नहीं था। पहाल गढ़ की भेरावडी में नकली शिवाजी बनकर महाराज की रक्षा करनेवाले सिवा काशिर, जाति से नाई थे। अफजल खान के समर प्रसंग में शिवाजी के प्राणों की रक्षा करनेवाला जीव महाला था। आगरा के किले में कैद के दौरान उनकी सेवा करने वाला मंदरी मेहरा था।

हिन्दवी स्वराज्य के 350वें वर्ष में जब हम उसका अध्ययन करेंगे तो एक बात स्पष्ट तौर पर दिखायी देगी कि छत्रपति शिवाजी महाराज मात्र एक व्यक्ति या राजा नहीं, वे एक विचार और एक युगवर्तन के प्राणों की रक्षा करनेवाला जीव महाला था। आगरा के किले में कैद के दौरान उनकी सेवा करने वाला मंदरी मेहरा था। हिन्दवी स्वराज्य के 350वें वर्ष में जब हम उसका अध्ययन करेंगे तो एक बात स्पष्ट तौर पर दिखायी देगी कि छत्रपति शिवाजी महाराज मात्र एक व्यक्ति या राजा नहीं, वे एक विचार और एक युगवर्तन के प्राणों की रक्षा करनेवाला जीव महाला था। आगरा के किले में कैद के दौरान उनकी सेवा करने वाला मंदरी मेहरा था।

हिस्से पर फैला हुआ था। ऐसा कह सकते हैं कि मुगल बादशाह को हुकुमत देश के हर हिस्से में चलती थी। लेकिन 1719 में अत्याचारी औरंगजेब की मृत्यु के 12 वर्षों के भीतर ही मरते-ते दिखने में प्रवेश किया और मुगल राजधानी के मु-य मार्गों में भगवा ध्वज लेकर पश-संचलन साफ रूख दे दिया कि अब भारत विदेशी आक्रांतों के चंगुल से स्वतंत्र होकर खड़ा है। इसलिए 'स्वराज्य-350' के स्वर्णिम अन्वय के पृष्ठ उद्घटने के कार्यक्रमों से ऊपर उठकर उसके आदर्शों को धारण पर उतारने और उसे प्रगाढ़ कर चोष लाया। 1757 में उन्होंने गुजरात की राजधानी अहमदाबाद के शिल्पकार थे। इसलिए जब ईस्वी सन 1680 में शिवाजी महाराज ने हिन्दवी स्वराज्य की राजधानी दुर्गेश्वर 'महाद्व' की गेट में अंतिम सांस ली, तो उनका विचार उनके जब समाप्त नहीं हुआ।

हिस्से पर फैला हुआ था। ऐसा कह सकते हैं कि मुगल बादशाह को हुकुमत देश के हर हिस्से में चलती थी। लेकिन 1719 में अत्याचारी औरंगजेब की मृत्यु के 12 वर्षों के भीतर ही मरते-ते दिखने में प्रवेश किया और मुगल राजधानी के मु-य मार्गों में भगवा ध्वज लेकर पश-संचलन साफ रूख दे दिया कि अब भारत विदेशी आक्रांतों के चंगुल से स्वतंत्र होकर खड़ा है। इसलिए 'स्वराज्य-350' के स्वर्णिम अन्वय के पृष्ठ उद्घटने के कार्यक्रमों से ऊपर उठकर उसके आदर्शों को धारण पर उतारने और उसे प्रगाढ़ कर चोष लाया। 1757 में उन्होंने गुजरात की राजधानी अहमदाबाद के शिल्पकार थे। इसलिए जब ईस्वी सन 1680 में शिवाजी महाराज ने हिन्दवी स्वराज्य की राजधानी दुर्गेश्वर 'महाद्व' की गेट में अंतिम सांस ली, तो उनका विचार उनके जब समाप्त नहीं हुआ।

हिस्से पर फैला हुआ था। ऐसा कह सकते हैं कि मुगल बादशाह को हुकुमत देश के हर हिस्से में चलती थी। लेकिन 1719 में अत्याचारी औरंगजेब की मृत्यु के 12 वर्षों के भीतर ही मरते-ते दिखने में प्रवेश किया और मुगल राजधानी के मु-य मार्गों में भगवा ध्वज लेकर पश-संचलन साफ रूख दे दिया कि अब भारत विदेशी आक्रांतों के चंगुल से स्वतंत्र होकर खड़ा है। इसलिए 'स्वराज्य-350' के स्वर्णिम अन्वय के पृष्ठ उद्घटने के कार्यक्रमों से ऊपर उठकर उसके आदर्शों को धारण पर उतारने और उसे प्रगाढ़ कर चोष लाया। 1757 में उन्होंने गुजरात की राजधानी अहमदाबाद के शिल्पकार थे। इसलिए जब ईस्वी सन 1680 में शिवाजी महाराज ने हिन्दवी स्वराज्य की राजधानी दुर्गेश्वर 'महाद्व' की गेट में अंतिम सांस ली, तो उनका विचार उनके जब समाप्त नहीं हुआ।

हिस्से पर फैला हुआ था। ऐसा कह सकते हैं कि मुगल बादशाह को हुकुमत देश के हर हिस्से में चलती थी। लेकिन 1719 में अत्याचारी औरंगजेब की मृत्यु के 12 वर्षों के भीतर ही मरते-ते दिखने में प्रवेश किया और मुगल राजधानी के मु-य मार्गों में भगवा ध्वज लेकर पश-संचलन साफ रूख दे दिया कि अब भारत विदेशी आक्रांतों के चंगुल से स्वतंत्र होकर खड़ा है। इसलिए 'स्वराज्य-350' के स्वर्णिम अन्वय के पृष्ठ उद्घटने के कार्यक्रमों से ऊपर उठकर उसके आदर्शों को धारण पर उतारने और उसे प्रगाढ़ कर चोष लाया। 1757 में उन्होंने गुजरात की राजधानी अहमदाबाद के शिल्पकार थे। इसलिए जब ईस्वी सन 1680 में शिवाजी महाराज ने हिन्दवी स्वराज्य की राजधानी दुर्गेश्वर 'महाद्व' की गेट में अंतिम सांस ली, तो उनका विचार उनके जब समाप्त नहीं हुआ।

का वर्चस्व बढ़ गया, जो तिसरे आंग्ल-मराठा युद्ध-1818 में अंग्रेजों को जीत के साथ लंबे समय तक स्थायी हो गया। स्मरण रखें कि हिन्दवी स्वराज्य पर हमला करने के लिए मुगलों ने ही अंग्रेजों को आमंत्रित किया था। हिन्दवी स्वराज्य का यह समर्थन, उसका वैभव, उसके सिद्धांत और आदर्श, आज भी हमारे लिए प्रेरणा और पथ-प्रदर्शक हैं। इसलिए 'स्वराज्य-350' के स्वर्णिम अन्वय के पृष्ठ उद्घटने के कार्यक्रमों से ऊपर उठकर उसके आदर्शों को धारण पर उतारने और उसे प्रगाढ़ कर चोष लाया। 1757 में उन्होंने गुजरात की राजधानी अहमदाबाद के शिल्पकार थे। इसलिए जब ईस्वी सन 1680 में शिवाजी महाराज ने हिन्दवी स्वराज्य की राजधानी दुर्गेश्वर 'महाद्व' की गेट में अंतिम सांस ली, तो उनका विचार उनके जब समाप्त नहीं हुआ।

का वर्चस्व बढ़ गया, जो तिसरे आंग्ल-मराठा युद्ध-1818 में अंग्रेजों को जीत के साथ लंबे समय तक स्थायी हो गया। स्मरण रखें कि हिन्दवी स्वराज्य पर हमला करने के लिए मुगलों ने ही अंग्रेजों को आमंत्रित किया था। हिन्दवी स्वराज्य का यह समर्थन, उसका वैभव, उसके सिद्धांत और आदर्श, आज भी हमारे लिए प्रेरणा और पथ-प्रदर्शक हैं। इसलिए 'स्वराज्य-350' के स्वर्णिम अन्वय के पृष्ठ उद्घटने के कार्यक्रमों से ऊपर उठकर उसके आदर्शों को धारण पर उतारने और उसे प्रगाढ़ कर चोष लाया। 1757 में उन्होंने गुजरात की राजधानी अहमदाबाद के शिल्पकार थे। इसलिए जब ईस्वी सन 1680 में शिवाजी महाराज ने हिन्दवी स्वराज्य की राजधानी दुर्गेश्वर 'महाद्व' की गेट में अंतिम सांस ली, तो उनका विचार उनके जब समाप्त नहीं हुआ।

निर्वाचन प्रक्रिया में ई-चालान का उपयोग कराएँ

भोपाल। भारत निर्वाचन आयोग के निदेश पर मु य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश की अनुपम राजन ने सागर संभाग में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को विस्तृत समीक्षा की। निवाडी जिले के ओरछा में हुई समीक्षा बैठक में संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक उपस्थित थे। बैठक में विधानसभा चुनाव-2023 की तैयारियों को विस्तार से समीक्षा की गई।

बैठक में निदेशित किया गया कि निर्वाचन प्रक्रिया में ई-चालान का उपयोग कराएँ। मतदान अधिकारी को ईवीएम, सीबीएट कर अधिक से अधिक प्रशिक्षण दिलाया जाए। निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान स ती के साथ आदर्श आचार संहिता का पालन सुनिश्चित कराएँ। शांतिपूर्वक चुनाव के लिए सुरक्षा के दो प्दान तैयार करें। डक मतदान वाले पर व्यक्ति को डक मतदान करने की

***मतदान कर्मियों को ईवीएम, वीवीपेट का अधिक से अधिक प्रशिक्षण दें**
***सभी जिले स ती के साथ आदर्श आचार संहिता का पालन सुनिश्चित कराएँ**
***सागर संभाग में सात हजार से ज्यादा मतदान केंद्रों पर साठ लाख से अधिक मतदाता करेंगे मतदान**
***भारत निर्वाचन आयोग के निदेश पर हुई सागर संभाग में चुनाव तैयारियों की समीक्षा**
***निष्पक्ष, स्वच्छ, और शांतिपूर्वक मतदान के लिए सभी आवश्यक तैयारी करने के मु य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन के निदेश**

जाकारी समय सीमा में प्रदान की जाए। मतदाता सूची में डुलिकेशन न हो। बैठक में बताया गया कि सागर संभाग में सात हजार से अधिक मतदान केंद्रों पर साठ लाख से अधिक मतदाता मतदान करेंगे। नूतन लोगों के नाम सूची में न रहे, इस बात का विशेष ध्यान रखें। जिन मतदाताओं के नाम सूची

के लिए दो भागों में बाँटा जाए। नया मतदान केंद्र की सी परिसर में या निकटवर्ती पराम में बनाया जाए। श्री राजन ने निर्देश दिए कि तत्काल अनार्याज्य एवं अंतर जिला नाका प्रारंभ करें, जिससे कारंवाई प्राप्त की जा सके। चुनाव का मा में लगने वाले कर्मचारियों, 80 वर्ष से अधिक की आयु के वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों एवं कोविड से अत्यधिक पीड़ित वरिष्ठ व्यक्तियों के लिए बनाए गए तैयारी अच्छी तरह से करें। सीएलओ को भी पता होना चाहिए कि जिन मतदाताओं को पोस्टल वॉलेट की सुविधा दी जाना है। सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखी जाए, जिससे कोई भी व्यक्ति सा प्रदर्शिक पोस्ट या रि-पोस्ट कर माहौल बिगाड़ने का काम न कर सके। कानून व्यवस्था बनाए

रखने के लिए आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों पर प्रतिबंधात्मक और जिला बंदर की कारंवाई की जाए। चूबर की कारंवाई की जाए। मतदान के प्रमाणित करने वाली सामग्री की विलक्षणता के लिए जल एवं राख की सीमाओं में नका। स्थानित कारंवाहनों को स ती से जांच की जाए। मिटर के अंश निमांण और परिवहन पर स त कारंवाहनी की जाए। लाइव स्कैंड और एक्सपर्टी द्वारा सुस्ती देने का काम किया जाये। चुनाव संचालनी शिकायतों के लिए बनाए गये सी-वीजलिंग मोबाइल एवं साक्ष्य प्रचार किया जाए। वचनपूर्वक क्षेत्र के मतदान केंद्रों में सुरक्षा के इंतजाम करने के साथ ही मतदाता जागरूकता अभियान चलाने के निदेश दिये गए।

श्री राजन ने सागर जिले में चांदी एवं धनराशि जन्ती की कारंवाई की सराहना की एवं कहा कि सभी जिले में इस तरह की कारंवाई करे। इसी प्रकार सागर के स्वीप प्लान के तहत की जा रही गतिविधियों के तहत की जा रही कारंवाई में भी उन्होंने साराधान की। स्वीप की गतिविधियों का एक वीडियो कले टर सागर श्री दीपक आर्य ने बैठक में प्रदर्शित किया। बैठक में संयुक्त मु य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राकेश सिंह, संयुक्त मु य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान, पुलिस महानिरीक्षक, कानून व्यवस्था एवं सुरक्षा मध्यप्रदेश तथा राख जिला पुलिस नोडल अधिकारी श्री अनुराग सिंह से धामायुक्त डॉ. वीरेंद्र सिंह राजन, आईजी श्री प्रदीप वर्मा, डीआईजी श्री सुनील कुमार, जे.आर. शांभुल से कोट्टे टर और पुलिस अधीक्षकों द्वारा अपने-अपने जिले में निर्वाचन के लिए की गई तैयारियों को जाकारी दी गई।

ई-चालान का उपयोग कराएँ। मतदान अधिकारी को ईवीएम, सीबीएट कर अधिक से अधिक प्रशिक्षण दिलाया जाए। निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान स ती के साथ आदर्श आचार संहिता का पालन सुनिश्चित कराएँ। शांतिपूर्वक चुनाव के लिए सुरक्षा के दो प्दान तैयार करें। डक मतदान वाले पर व्यक्ति को डक मतदान करने की

पीएम मोदी ने गब्गा गीत के साथ की नवरात्रि की शुरुआत

रिलीज किया-आमा लिखा 'भाई सौना' भीतर ब्रह्मने ने किया है के पा जे नई दिव्य कुमार का इस गब्गा को आवाज देने और समीत देने के लिए मीत ब्रह्मने का धन्यवाद करता हूँ। उन्होंने गब्गा गीत की सुबकृत प्रस्तुति के लिए माधिका प्रदिम भागुरली को भी धन्यवाद किया। पीएम मोदी ने दृष्टि किया, 'मेरे ड्राव क्यों पहले लिखी गई गब्गा की इस मनमोहक प्रस्तुति के लिए ध्वनि भागुरली, किशोर्क वाणी और उरुट यूनिफ की टीम को धन्यवाद। यह सब यदंबास लाता है। मेरे सब क्यों से नहीं लिखा है, लेकिन पिछले कुछ दिनों में मैं एक नया गब्गा लिखने में कामयाब था, जिसमें नवरात्रि के दौरान सागर प्रकृतिका देते हुए लिख, 'किना सुबकृत है, 'कह वह अरुत जी की खुशखबरी या नेन्द मोदी को लिखे लो/कवि/कार और कहलिये, हमारे नेत्रों को कला की सुंदरता और कोमलता में हिस देयान प्रेमा इल को रू जगत है।

सियाचिन ग्लेशियर— विश्व के सबसे ऊंचे युद्ध क्षेत्र में स्थापित हुआ पहला मोबाइल टावर

लद्दाख/ज.मू। भारत सरकार सीमावर्ती क्षेत्रों में आधारभूत ढांचे को मजबूत कर रही है। इसी क्रम में संचार ढांचे को भी मजबूत किया जा रहा है। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में सीमा क्षेत्रों पर ढांचे को सुदृढ़ किया जा रहा है। पंडीमरी लद्दाख में 15,500 फीट से भी अधिक ऊँचाई पर उर्ध्वग के सबसे ऊँचे युद्ध क्षेत्र सियाचिन ग्लेशियर में सैनिकों की स्मरन् रूनिट के जवानों ने भारत संचार निमा लिमिटेड (इकड) की सहायता से पहला मोबाइल टावर लगाया है। सबसे यहाँ संचार व्यवस्था सुदृढ़ होगी।

सियाचिन ग्लेशियर में टावर लगाने से चीन से लगती वालाक निश्रेण रेवा (XR) के करीब स्थित यूरो गॉब में भी 'एस्टेल' (इकड) पर इस साहायता आन टावर लगाया है। टावर लगाने से यह दूरदास का क्षेत्र होने की संभावना है। इसका इस समय लद्दाख के सीमांत क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा



दूरदास क्षेत्र के निवासी संचार सुविध से वंचित थे, इसके अलावा सीमा सुरक्षा में तेजात सैनिकों व डूडकडक जवानों की भी मुक्ति का सामना करना पड़ता था। लेकिन अब यूरो गॉब में मोबाइल टावर स्थापित होने से क्षेत्र के अन्य गॉबों में भी जल्द मोबाइल सुविधा शुरू होने की संभावना है। इसका इस समय लद्दाख के सीमांत क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में बड़े पैमाने पर काम किया जा रहा है। प्रेड प्रशासन भी पूरी कोशिश कर रहा है कि मोबाइल कंपनियों दूरदास क्षेत्रों तक अपनी सेवा पहुँचाएँ।

1984 से सियाचिन में बहादुरी से डटे सैनिक
सियाचिन ग्लेशियर काराकोरम रेंज का सबसे लंबा ग्लेशियर है। इसका लंबाई 75 'यड है। सियाचिन ग्लेशियर दुनिया का सबसे बड़ा

कांग्रेस ने जारी की 144 उ मीदवारों की पहली सूची; कमलनाथ छिंदवाड़ा से लड़ेंगे

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर अब कांग्रेस की ओर से भी पहली सूची जारी कर दी गई है। आठ पक्ष खल होते ही नवरात्रि के पहले दिन कांग्रेस अपनी पहली सूची जारी कर दी है। कांग्रेस ने 144 उ मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की है। इससे पहले प्रत्याशियों के नामों लेकर शुक्रवार (13 अ दूबर) को दिल्ली में मंत्र हुआ था। पार्टी सूच बताते हैं कि मूल रूप से कांग्रेस ने करीब-करीब सभी सीटों पर उ मीदवारों के नाम तय कर लिए हैं। उ मीदवारों के जारी पहली लिस्ट के अनुसार मुंबी सीएम कमलनाथ छिंदवाड़ा से चुनाव लड़ेंगे।

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर अब कांग्रेस की ओर से भी पहली सूची जारी कर दी गई है। आठ पक्ष खल होते ही नवरात्रि के पहले दिन कांग्रेस अपनी पहली सूची जारी कर दी है। कांग्रेस ने 144 उ मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की है। इससे पहले प्रत्याशियों के नामों लेकर शुक्रवार (13 अ दूबर) को दिल्ली में मंत्र हुआ था। पार्टी सूच बताते हैं कि मूल रूप से कांग्रेस ने करीब-करीब सभी सीटों पर उ मीदवारों के नाम तय कर लिए हैं। उ मीदवारों के जारी पहली लिस्ट के अनुसार मुंबी सीएम कमलनाथ छिंदवाड़ा से चुनाव लड़ेंगे।

भोजपुर के सुरदास गुरु को हराया था। सागर से विधाक ड. गोविंद सिंह फिर मैदान में भिंड जिले की लहार विधानसभा सीट से कांग्रेस ने ड. गोविंद सिंह को उतारा गब्गा में उतारा है। वे सात बार से यहाँ से विधाक हैं। तीन शरक से यहाँ भाजपा नहीं जीत पाई है। उनका सुकवाबल इस बार भाजपा के अंबरीश शर्मा पुर से है। भाजपा पहले समय में थे और उनके जमाने में शामिल हुए हैं। साची को टिकट जिस बड़ महारत सेट से कभी उम भरती विधाक बने थीं, वहाँ से कांग्रेस ने साची राग सिवा भाजपा को टिकट दिया है। यहाँ से भाजपा ने प्रधु न सिंह लोधी को उ मीदवार बनाया है। 2018 में लोधी कांग्रेस के टिकट पर यहाँ से चुनाव जीते थे। 2020 में वे भाजपा में शामिल हुए हैं। उ मीदवारों में उमराव नारायण को टिकट दिया गया है।

